हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, मंगलवार 10 मार्च 2026

11 आयकर किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत...

12 प्राइवेट बसों में ज्यादा किराया वसूली पर की जाए कार्रवाई

खबर संक्षेप

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड में एक और काबू

हिसार। पुलिस ने सेक्टर 9-11 क्षेत्र में हुई रिटायर्ड बीएसएफ कर्मचारी एवं प्रॉपर्टी डीलर कलम सिंह की हत्या की वारदात में कार्रवाई करते हुए 5वें आरोपी भी काबू कर लिया गया है। आरोपी की पहचान सातरोड निवासी आशीष के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 22 फरवरी की देर सायं सेक्टर 9-11 में मुन्ना स्वीट्स के सामने कुछ युवकों ने रिटायर्ड बीएसफएफ कर्मचारी कलम सिंह पर चाकुओं से हमला कर दिया था। उन्हें गंभीर अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। मृतक कलम सिंह सेक्टर 9-11 में अमन प्रॉपर्टी नाम से काम करता था। पूछताछ के दौरान आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल क़ी गई मोटरसाइकिल मच्छी मार्किट से बरामद की गई। उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दो दिन पूर्व मृतक ने आरोपियों को आपसी झगड़ा करने से रोका था, इसी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया गया।

गुजवि ने घोषित किए परीक्षा परिणाम

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि दिसम्बर 2025 में आयोजित मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी प्रथम वर्ष (रिअपीयर) बैच 2023 व 2024, बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी प्रथम वर्ष (रिअपीयर) बैच 2023, एमए इकोनोमिक्स तृतीय सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2023, एमए इकोनोमिक्स तृतीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2024, एमए संस्कृत तृतीय सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2022 व 2023, एमए संस्कृत तृतीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2024, एमए इंगलिश तृतीय सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2022 व 2023, एमए इंगलिश तृतीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2024, एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2023 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है।

सेक्टर 16-17 की मार्केट की लाइट की दुरुस्त

हिसार। सेक्टर 16-17 की मार्केट में बूथ नंबर 151 से 170 के बीच स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करवा दिया गया है। इसी मार्केट में हाई मास्क की लाइटों को भी दुरुस्त किया गया है। क्षेत्र के दुकानदारों और स्थानीय लोगों द्वारा स्ट्रीट लाइट खराब होने की सूचना मिलने के बाद नगर निगम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी लाइटों को दुरुस्त कर दिया। नगर निगम के कार्यकारी अभियंता जयबीर डूडी ने बताया कि शहर के किसी भी हिस्से में स्ट्रीट लाइट खराब होने की शिकायत मिलते ही विभाग तुरंत संज्ञान लेता है और उसे ठीक करवाने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि सेक्टर 16-17 मार्केट में बूथ नंबर 151 से 170 के बीच कई स्ट्रीट लाइटें खराब होने की सूचना विभाग को प्राप्त हुई थी, जिसके बाद कर्मचारियों की टीम मौके पर भेजकर लाईटों को दुरूस्त करवाया गया।

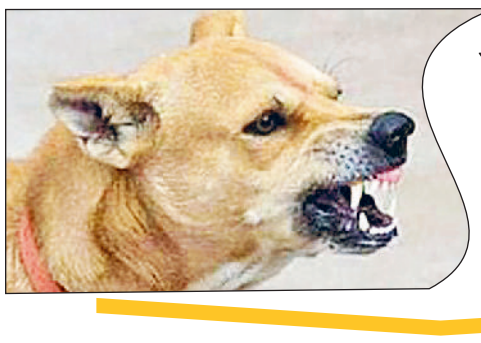

हिसार में 10 हजार आवारा कुत्ते, डॉग बाइट से दहशत

नगर निगम एरिया में अब तक लगभग 3375 कुत्तों का बाधियाकरण किया गया
लगातार सामने आ रही काटने की घटनाओं के बाद डीसी महेंद्र पाल ने ली बैठक
शहरों के साथ गांवों में भी स्टेरलाइजेशन अभियान तेज करने के निर्देश दिए
नगर निकाय और पशुपालन विभाग को समन्वय से काम करने को कहा

सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन : आवारा कुत्तों के कारण होने वाली घटनाओं के लिए राज्य सरकारें और जो लोग सड़कों पर खाना खिलाते हैं वे जिम्मेदार, जवाबदेही से नहीं बच सकते
तल्ख टिप्पणी : यदि जानवरों से इतना प्यार करते हैं, तो उन्हें अपने घर ले जाएं और वहीं रखें। खाना खिलाने का कार्य सड़कों की बजाय निजी परिसर या घरों के भीतर होना चाहिए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

शहर में करीब 10 हजार आवारा कुत्तों की मौजूदगी से लोग दहशत में हैं। नगर निगम क्षेत्र के साथ जिले के अन्य कस्बों और ग्रामीण इलाकों में भी आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। आए दिन आवारा और पालतू कुत्तों के काटने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिनमें कई लोग घायल हो चुके हैं। अक्सर ऐसे मामलों में एक-दो दिन हंगामा होने के बाद मामला शांत हो जाता है, लेकिन इस बार बढ़ते डॉग बाइट के मामलों ने प्रशासन का ध्यान खींच लिया है। पीड़ितों की शिकायतों के बाद डीसी महेंद्र पाल ने अधिकारियों को बैठक में कुत्तों के स्टेरलाइजेशन अभियान को तेज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शहरों की तर्ज पर गांवों में भी प्राथमिकता के आधार पर स्टेरलाइजेशन कार्यक्रम चलाया जाए। साथ ही नगर निकाय और पशुपालन विभाग को आपसी समन्वय से काम कर डॉग बाइट की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण करने के निर्देश दिए हैं।

हाल ही में सामने आए 3 मामले

जिले में हाल ही में कुत्तों के काटने के तीन मामले सामने आए हैं, जिनमें घायलों का इलाज नागरिक अस्पताल में चल रहा है।
पहला मामला गांव खासा महाजन का है, जहां 65 वर्षीय ईश्वर को एक कुत्ते ने काटकर घायल कर दिया। ईश्वर ने बताया कि वह शुक्रवार सुबह घर से बाहर निकले ही थे कि गली में एक कुत्ते ने अचानक उनकी दाईं पिंडली पर काट लिया और वहां से भाग गया।
दूसरा मामला मिलगेट क्षेत्र का है। यहां करीब 70 वर्षीय सरस्वती को कुत्ते ने काट लिया। आसपास के लोगों ने किसी तरह कुत्ते को भगाकर उन्हें बचाया।
तीसरा मामला महाबीर कॉलोनी का है, जहां बिहार निवासी 52 वर्षीय निर्मल को उस समय कुत्ते ने काट लिया जब वह काम पर जाने के लिए घर से निकले थे।

हर साल बढ़ रहे डॉग बाइट के केस

हिसार में कुत्तों के हमले के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आंकड़ों के अनुसार जुलाई, अगस्त और सितंबर के महीनों में डॉग बाइट के मामले सबसे ज्यादा सामने आते हैं। इन तीन महीनों में यह संख्या 1400 से 1900 तक पहुंच जाती है। जबकि अन्य महीनों में यह आंकड़ा 400 से 850 के बीच रहता है। पिछले कुछ वर्षों में देखें तो शहर में आवारा कुत्तों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है, यह स्थिति इसलिए बनी क्योंकि लंबे समय से शहर में बधियाकरण का कार्य नहीं हो पाया। नगर निगम ने कई बार इस कार्य के लिए टेंडर जारी किए, लेकिन कोई एजेंसी न आने के कारण प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी थी। वर्तमान में इस कार्य के लिए जयपुर की संतुलन जीव कल्याण एजेंसी को कार्य दिया गया है।

5000 कुत्तों के बधियाकरण का ठेका

नगर निगम ने 5000 कुत्तों के बधियाकरण और टीकाकरण का ठेका एजेंसी को दिया। यह जिम्मेदारी जयपुर की संतुलन जीव कल्याण एजेंसी को सौंपी गई है। अब तक 3375 कुत्तों का बधियाकरण और 3530 का टीकाकरण किया जा चुका है। एक कुत्ते के बधियाकरण पर 1450 रुपये खर्च हो रहे हैं। इसमें कुत्ते को पकड़ना, ऑपरेशन करना, शेल्टर हाउस में रखना और भोजन आदि की व्यवस्था शामिल है। बधियाकरण के बाद कुत्तों को उसी स्थान पर छोड़ा जाता है, जहां से पकड़ा था।

अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

उपायुक्त महेन्द्र पाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्टेरलाइजेशन अभियान में तेजी लाई जाए और इसकी नियमित समीक्षा की जाए। बैठक में एसडीएम ज्योति मित्तल, सीटीएम हरिराम, डीडीपीओ नरेंद्र सिंह और अतिरिक्त निगम आयुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा सहित अन्य अधिकारी थे।

सातरोड़ में बनाया जाएगा डॉग हाउस

स्कूल, कॉलेज, बस स्टैंड, अदालत और अस्पताल जैसे सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर रखने की योजना बनाई है। सातरोड़ में डॉग हाउस बनाने के लिए जगह चिन्हित की गई है, जहां 200 कुत्तों को रखने की तैयारी है।

वर्षवार मामले

2012	4516	2019	14766
2013	9400	2020	2173
2014	7224	2021	1681
2015	9491	2022	4310
2016	8063	2023	6545
2017	10454	2024	6716
2018	11443	2025	8691

यह है जुर्माने का प्रावधान

- हरियाणा में डॉग बाइट के मामलों में न्यूनतम 10,000 रुपये प्रति दांत के निशान मुआवजा दिया जा सकता है।
- यदि कुत्ता पालतू है तो उसका मालिक, और आवारा है तो नगर निगम/सरकार जिम्मेदार होगी है।
- ऐसे मामलों में पुलिस में शिकायत दर्ज कर आईपीसी की धारा 289 के तहत कार्रवाई भी हो सकती है।

कुत्तों के काटने के प्रमुख मामले

16 सितंबर 2025 : सीसवाल गांव के सरकारी स्कूल में घुसे कुत्ते ने 6 विद्यार्थियों को काटा और एक घर में घुसकर 2 छोटे बच्चों के मुंह पर काट लिया। उसने गली में एक बुजुर्ग के हाथ पर काटकर उसे घायल कर दिया।
22 अक्टूबर 2025 : 9 वर्षीय ऋषभ को घर के पास गली में खेलते समय कुत्ते ने जांघ पर काट लिया। लोगों ने उसे कुत्ते के चंगुल से छुड़वाया।
9 नवंबर 2025: सेक्टर-14 की स्लम बस्ती में 12 वर्षीय गौरव को चाय लेने जाते समय आवारा कुत्ते ने पीठ पर काट लिया, जिससे खून बहने लगा। राहगीरों ने कुत्ते को भगाकर बच्चे को बचाया।
9 नवंबर 2025: गांव नंगथला में 55 वर्षीय राम अवतार को गली के कुत्ते ने हाथ पर काटकर घायल कर दिया। आसपास के लोगों ने कुत्ते को भगाकर बचाव किया।
20 फरवरी 2026: गांव जुगलान में पिटबुल नस्ल का पालतू कुत्ता जंजीर तोड़कर महिला सुरेश देवी पर टूट पड़ा। परिजनों ने काफी मशक्कत के बाद महिला को बचाया।

मेडिकल स्टोर पर जांच करते स्वास्थ्य अधिकारी।

मेडिकल स्टोरों पर संयुक्त छापेमारी

- 27 दुकानों की जांच, नहीं मिली नशीली दवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

खाद्य एवं औषधि प्रशासन हरियाणा के आयुक्त मनोज कुमार के निर्देशों पर जिले में मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी की गई। एसडीसी ललित गोयल के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान गुरुग्राम जोन के वरिष्ठ ड्रग्स कंट्रोल अधिकारी गुरचरण सिंह की निगरानी में हिसार, गुरुग्राम और रेवाड़ी जिलों के 4 ड्रग्स कंट्रोल अधिकारियों की टीम ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 27 मेडिकल स्टोरों की जांच व निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान किसी भी मेडिकल स्टोर पर नशीली दवाइयों का अवैध भंडारण या बिक्री नहीं पाई गई। हालांकि कुछ दुकानों पर रिकॉर्ड अधूरे होने, आरपी (रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट) की अनुपस्थिति जैसी अनियमितताएं सामने आई हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन अनियमितताओं के संबंध में संबंधित ड्रग्स कंट्रोल अधिकारियों की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट एवं नियमों के तहत लाइसेंसिंग अथॉरिटी, हिसार जोन द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि स्थानीय प्रशासन से मिलने वाले इनपुट के आधार पर भविष्य में भी इस प्रकार की छापेमारी जारी रहेगी।

तोशाम रोड पर झाड़ियों में मिला अज्ञात युवक का शव

- राहगीर ने झाड़ियों में पड़े शव को देख बुलाई पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

तोशाम रोड़ स्थित लक्ष्य पाइप फैक्ट्री के समीप सोमवार सुबह झाड़ियों में एक अज्ञात युवक का शव मिला। झाड़ियों में शव पड़े होने की सूचना मिलने पर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसको पहचान के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया है।

पुलिस से प्राप्त के अनुसार तोशाम रोड़ स्थित लक्ष्य पाइप फैक्ट्री के पास से गुजर रहे एक राहगीर ने झाड़ियों में शव को देख डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलने पर शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुखजीत सिंह और बस स्टैंड चौकी इंचार्ज जोगिंदर सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। और घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित करने के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम को मौके पर बुलाया गया। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पहुंच आवश्यक साक्ष्य जुटाए और आसपास के क्षेत्र का गहनता से निरीक्षण किया। पुलिस के मुताबिक, मृतक की उम्र 25 से 30 वर्ष के करीब है। और उसके हाथ पर 'राजीव-सुनीता लिखा हुआ है ।

बस स्टैंड पुलिस चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर जोगिंद्र सिंह ने बताया कि मृतक के पास पहचान कोई पहचान पत्र या साक्ष्य नहीं मिला जिसके बाद पुलिस कर्मियों ने मृतक की पहचान हेतू घटनास्थल के आसपास की फैक्ट्रियों में भी जाकर मृतक के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

ढाणा कलां के पास हादसे में साइकिल सवार बुजुर्ग की मौत

- घर में चल रही थी भतीजी की शादी की तैयारियां
- आज आनी है बारात, मातम में बदला खुशियों का माहौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ढाणा कलां गांव के समीप रविवार शाम हुए एक सड़क हादसे में साइकिल सवार एक वृद्ध की मौत हो गई। वृद्ध की पहचान ढाणा कलां निवासी 70 वर्षीय बुजुर्ग कांशीराम के रूप में हुई है।

सूचना मिलने पर पुलिस ने अस्पताल पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर परिजनों के बयान पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप मामले की जांच और वाहन की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

हांसी। नागरिक अस्पताल में कांशीराम के परिजनों के बयान दर्ज करती पुलिस टीम।

सोशल मीडिया से हुई पहचान

राजमार्ग पर मिले घायल व्यक्ति के पास किसी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं मिलने के चलते मृतक की पहचान नहीं हो सकी। लेकिन इसी दौरान नागरिक अस्पताल के कर्मियों ने सोशल मीडिया पर मृतक की फोटो अपलोड कर पहचान के प्रयास किए जिसके बाद परिजनों ने कांशीराम की फोटो को सोशल मीडिया पर देख नागरिक अस्पताल पहुंचे और मृतक की पहचान की। ढाणा कलां गांव के समीप हुए सड़क हादसे ने कांसीराम की मौत के बाद घर में चल रही भतीजी के विवाह की खुशियों को मातम में बदल दिया, क्योंकि मृतक के घर में उसकी भतीजी के विवाह की तैयारियां चल रही थीं और मंगलवार को भतीजी की बारात आने वाली है।

कार की टक्कर से बाइक सवार सिक्योरिटी गार्ड की जान गई

हांसी। हांसी-जींद रोड पर रविवार शाम एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान जींद के रोहतक रोड निवासी 42 वर्षीय नरेश के रूप में हुई है, मृतक तीन बच्चों का पिता और जींद की चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर कार्यरत थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने नागरिक अस्पताल पहुंच शव को कब्जे में लेकर परिजनों के बयान पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने तथा गैर इरादतन हत्या की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- बेटी को नर्सिंग कॉलेज छोड़कर लौट रहे थे घर, जींद यूनिवर्सिटी में थे कार्यरत

पुलिस प्राप्त जानकारी के अनुसार नरेश रविवार दोपहर बाद बाइक पर सवार होकर अपनी बेटी को चौधरीवास स्थित नर्सिंग कॉलेज छोड़ने के लिए गए थे और बेटी कालेज छोड़कर वापस जींद लौट रहे थे तथा करीब 6:30 बजे जैसे ही हांसी-जींद रोड स्थित खेड़ी गगन गांव के पास पहुंचे तो सामने से आ रही एक कार ने सामने से उनकी मोटरसाइकिल टक्कर मार दी, जिससे नरेश बाइक सहित सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कार चालक ने एंबुलेंस की मदद से नरेश को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार मृतक नरेश तीन बच्चों का पिता और परिवार में इकलौता कमाने वाला था।

शराब के नशे में झगड़े के दौरान सिर में चोट मारकर की थी हत्या

कालीरावण के नरेश हत्याकांड में दोषी को उम्रकैद, एक लाख जुर्माना भी ठोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

अदालत ने जिले के गांव कालीरावण में शराब के नशे में हुए झगड़े के दौरान सिर में चोट मारकर युवक की हत्या करने के मामले में दोषी महाबीर को उम्रकैद तथा एक लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है।

जुर्माना न देने पर एक साल की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। अदालत में चले अभियोग के अनुसार अग्रोहा थाना पुलिस ने 27 अक्टूबर 2019 को हत्या का केस दर्ज किया था। पुलिस को दी शिकायत में गांव कालीरावण गांव के रहने वाले सतबीर ने बताया था कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। बेटा नरेश और एक बेटी है। घर पर बेटे के साथ रहता हूं।

सतबीर के अनुसार 26 अक्टूबर के दिन किसी काम से घर से बाहर गया हुआ था और बेटा घर पर अकेला था। देर रात भतीजे का फोन आया और बताया कि नरेश गंभीर रूप से घायल है। उसके सिर पर चोट मारी हुई है। वह तुरंत घर पहुंचा तो नरेश की मौत हो चुकी थी।

बाद में पता चला कि गांव के ही महाबीर ने रात के समय बेटे नरेश के साथ बैठकर शराब पी और शराब के नशे में महाबीर ने उसके बेटे के सिर पर चोट मारकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी महाबीर वहां से फरार हो गया।

घर में घुसकर चोरी, मालिक जागा तो सिर में मारी रॉड

नियाणा में वारदात, आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गांव नियाणा में एक दुकान से हजारों की नकदी और सोने के जेवरात चोरी का समाचार है। घटना के समय मकान मालिक पास ही सोया हुआ था। अचानक उसकी आंख खुल गई और उसने चोर को पकड़ने का प्रयास भी किया लेकिन चोर ने मकान मालिक साधुराम के सिर पर राड से हमला करके उसे घायल कर दिया और फिर फरार हो गया। यही नहीं, चोर साथ लगते दूसरे मकान में भी चोरी करने घुसा और छत से गिरने से एक पांव की हड्डी टूट गई। फिर वह लड़खडाते हुए भाग गया। एक घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे चोर जाता हुआ दिखाई दे रहा है। रॉड़ के हमले से घायल हुए साधुराम को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

अस्पताल में उपचाराधीन नियाणा गांव के साधुराम के बेटे रिंकू ने बताया कि उनकी किरयाणा की दुकान है और ऊपर परिवार के साथ रहते है। सोमवार तड़के लगभग अढाई बजे एक चोर पड़ोसी के दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर घुसा। फिर वह पड़ोसी की छत से हमारी छत पर आया और सीढ़ियों से नीचे गया। दुकान के दराज में रखी लगभग 10 हजार की नकदी और दूसरे दराज में रखी हुई सोने की बालियां और कोका चोरी कर लिया। इसी दौरान उसके पिता की आंख खुल गई। उन्होंने चोर को देखा और पकड़ने का प्रयास किया लेकिन चोर ने हाथ में ली हुई राड उसके पिता के सिर में मारी जिस कारण उसके पिता जमीन पर गिर गए और चोर छत के रास्ते पड़ोसी की छत पर चला गया। फिर छत से कूदते समय नीचे गिर गया और एक पांव की हड्डी टूट गई। चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद चोर छत से गिरने से घायल हो गया। पांव की हड्डी टूटने के बाद वह एक लकड़ी का सहारा लेकर जाता हुआ दिखाई दे रहा है। एक घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में वह कैद हो गया। सुबह जब फुटेज देखी तो पता चला कि चोरी करने का आरोपी गांव का ही रहने वाला बुधराम है। सदर पुलिस ने बुधराम के खिलाफ चोरी व मारपीट के आरोप में केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

- साथ लगते मकान में चोरी करने घुस तो छत से गिरकर टूटी पांव की हड्डी, लड़खड़ाते हुए भागा
- पुलिस ने गांव के ही एक व्यक्ति पर दर्ज किया केस

अग्रसेन भवन में तीन दिवसीय प्रधानमंत्री विश्वकर्मा प्रदर्शनी मेले का समापन

पारंपरिक हुनर हमारी सांस्कृतिक विरासत की पहचान : मेयर

- कहा- ऐसे आयोजनों से स्थानीय अर्थव्यवस्था होती है मजबूत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अधीन एमएसएमई- विकास कार्यालय भिवानी द्वारा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए अग्रसेन भवन में तीन दिवसीय प्रदर्शनी-मेले का सोमवार को समापन हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मेयर प्रवीण पोपली तथा जिला परिषद के अध्यक्ष सोनू सिहाग डाटा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। मेयर प्रवीण पोपली ने प्रदर्शनी का दौरा करते हुए प्रदर्शनी में प्रदर्शित उत्पादों की गुणवत्ता और विविधता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होती है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक हुनर हमारी सांस्कृतिक विरासत की पहचान है और इसे संजोकर आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजन स्थानीय प्रतिभाओं को सीधे बाजार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हिसार। प्रदर्शनी मेले में स्टालों का अवलोकन करते मेयर प्रवीण पोपली।

शिल्पकारों को मिल रही नई पहचान

जिला परिषद के अध्यक्ष सोनू सिहाग डाटा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को नई पहचान मिल रही है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की समृद्ध संस्कृति और विरासत इन कारीगरों के हुनर में झलकती है, जिन्हें प्रोत्साहन और उचित मंच प्रदान करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की प्रदर्शनी न केवल कारीगरों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री का अवसर देती है, बल्कि उन्हें सीधे बाजार से जोडकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी मजबूत कदम है। इस दौरान उत्कृष्ट स्टॉल सजावट और सर्वाधिक बिक्री करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर एमएसएमई-विकास कार्यालय भिवानी की सहायक निदेशक प्रभारी रचना त्रिपाठी, हरियाणा ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक विरेंद्र श्योराण सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
10 मार्च 2026

सहेली

दांपत्य का रिश्ता बहुत प्यारा,अनूठा होता है। अगर कोई पुरुष अपनी जीवनसंगिनी में केवल पत्नी को ही देखेगा या स्त्री अपने जीवनसाथी में केवल पति को देखेगी तो रिश्ते में एकरसता आएगी ही। ऐसा न हो, दांपत्य सदैव मधुर और रिश्ता हमेशा प्रगाढ़ बना रहे, इसके लिए जरूरी है कि दोनों आवश्यकतानुसार एक-दूसरे को कभी मां-पिता, कभी फ्रेंड, कभी सहयोगी तो कभी प्रेमी-प्रेमिका होने का एहसास करवाते रहें।

जीवन साथी में उभरती हैं मां-पिता-मित्र-प्रेमी की छवियां

कवर स्टोरी
मेघा राठी

दांपत्य कोई एकरंगी रिश्ता नहीं होता। यह समय, परिस्थिति और भावनात्मक जरूरतों के साथ अपना रूप बदलता रहता है। कभी इसमें मां-पिता जैसा प्रेम-स्नेह उतर आता है, कभी मित्रता की सहजता तो कभी प्रेमी, प्रेमिका जैसा रुमानी आकर्षण। यही अनेक रूप या लचीलापन दांपत्य रिश्ते को जीवित रखता है। पति-पत्नी का रिश्ता जब केवल एक ही रूप में जकड़ जाता है, तब वह बोझिल हो जाता है।

पति-पत्नी के बीच रिश्तों के हों विविध रंगः अनुज और काव्या को देखें। उनकी शादी को बारह वर्ष हो चुके हैं। शुरुआती वर्षों में इनका रिश्ता प्रेम-उत्साह से भरा था, लंबी बातचीत, अचानक बाहर घूमने के प्लान, छोटे-छोटे सरप्राइज। समय के साथ उनकी जिम्मेदारियां बढ़ीं। बच्चे, नौकरी, परिवार, सब कुछ जीवन में आ गया। कभी-कभी अनुज ऑफिस से थककर घर लौटता तो बिना कुछ कहे सोफे पर बैठ जाता, काव्या समझ जाती, बात क्या है। कुछ कहे बिना वह उसके लिए कॉफी बनाकर, उसके पास बैठकर, उसका हाथ थाम लेती या सिर सहला देती। उस पल अनुज को काव्या में अपनी मां की छवि नजर आती, उसे बेहद सुकून महसूस होता। ऐसा भी नहीं कि सिर्फ काव्या ही अनुज का ध्यान रखती थी। कई बार काव्या दिनभर के कामों से थककर चूर हो जाती, तब अनुज रसोई में उसके साथ हाथ बंटाता, बच्चों को पढ़ा देता या घर के दूसरे और काम निपटा देता। प्यार से काव्या के गाल थपथपा कर कहता, 'सब कुछ अकेले मत करो।' उस समय काव्या को अपने पापा याद आ जाते। उसे अनुज के दिए यह अहसास बहुत संबल देते। इसी तरह किसी दिन अनुज-काव्या मित्र बन जाते, खुलकर दोस्तों की तरह बातें करते, हंसते। जब किसी दिन घर में बच्चे ना होते तो दोनों बालकनी में बैठकर चाय पीते, पुराने गीत सुनते, तब वे प्रेमी-प्रेमिका होते, पुरानी यादों के साथ एक दूसरे के साथ छेड़छाड़ करते, रोमांटिक हो जाते। अनुज और काव्या इस बात को जानते थे कि उनका रिश्ता इसलिए गहरा और मजबूत है, क्योंकि उन्होंने अपने रिश्तों को किसी एक ही रूप में रखने की कोशिश नहीं की, उनके रिश्तों में विविध रंग हैं।

पत्नी के स्नेह भाव और ममता से मित्रता तक

पत्नी का स्नेह भाव केवल देखभाल तक सीमित नहीं होता। वह कभी मां सी ममता देती है तो कभी मित्र बनकर पति की बातें सुनती है बिना जज किए, तो कभी प्रेमिका की तरह उसमें आत्मविश्वास जगाती है। यह स्नेह भाव मां के स्नेह का विकल्प नहीं है, उसका परिपक्व रूप है। यहां समझ, संवाद और सीमाएं भी साथ चलती हैं। पत्नी का स्नेह तभी सुंदर रहता है, जब वह अपने अस्तित्व और भावनाओं को खोए बिना दिया जाए।

दंपती तलाशते हैं एक-दूसरे में अपने मां-पिता की छविः हमारा पहला भावनात्मक जुड़ाव अपने मां-पिता से होता है। मां से हमें सुरक्षा, पोषण और बिना शर्त स्वीकार्यता मिलती है, जबकि पिता से दिशा, भरोसा और स्थिरता का अनुभव। यही अनुभव हमारे अवचेतन में गहरे बैठ जाते हैं। जब व्यक्ति वयस्क जीवन में प्रवेश करता है, अपना जीवनसाथी चुनता है तो अनजाने में वह उन्हीं परिचित भावनात्मक अनुभवों को फिर से महसूस करना चाहता है। इसलिए कई बार पति अपनी पत्नी में मां की छवि खोजता है, जो उसे थाम ले, समझे और सुरक्षित महसूस कराए। वहीं पत्नी अपने पति में पिता समान स्थिरता, संरक्षण और भरोसे की अनुभूति ढूंढ़ती है। यह तलाश स्वाभाविक है, क्योंकि मन अपने पुराने सुरक्षित अनुभवों की ओर लौटना चाहता है। समस्या तब होती है, जब यह तलाश हमेशा के लिए एक अपेक्षा बन जाए। पति हर समय पत्नी से मां जैसी ममता की चाहत करे या पत्नी, पति से हर क्षण पिता जैसा संरक्षण चाहे तो दांपत्य जीवन में एक दबाव आ जाएगा। इसलिए एक संतुलन जरूरी है, इससे दांपत्य रिश्ता कभी बोझिल नहीं लगेगा।

पति का स्नेह देता है सुरक्षा, भरोसा और सम्मान भावः दांपत्य में स्नेह केवल पाने का नाम नहीं। पति भी पत्नी के लिए पिता समान सुरक्षा, मित्र समान भरोसा और प्रेमी-समान अपनेपन के भाव देता है। जब वह पत्नी के निर्णयों का सम्मान करता है, उसकी भावनाओं को हल्के में नहीं लेता, उसके सपनों में सहभागी बनता है, ऐसे में उसका स्नेह गहरा और अर्थपूर्ण हो जाता है। पति का स्नेह तब और गहरा, मजबूत हो जाता है, जब वह केवल जिम्मेदारियों तक सीमित न रहे, भावनात्मक रूप से भी उपस्थित रहे। अपनी पत्नी को संबल प्रदान करे।

प्रेमी-प्रेमिका जैसा व्यवहार है दांपत्य की प्राणवायुः देखा यही जाता है कि लंबे वैवाहिक जीवन में सबसे पहले जो खोता जाता है, वह है प्रेमी-प्रेमिका वाला व्यवहार। जबकि सच यह है, यही तत्व दांपत्य को जीवंत बनाए रखता है। एक-दूसरे की तारीफ करना, साथ समय बिताना, हल्की छेड़छाड़, स्पर्श की भाषा और भावनात्मक निकटता, ये सब रिश्ते में ऊर्जा भरते हैं।

जब पति-पत्नी यह मान लेते हैं कि अब प्रेम बनाए रखने के लिए किसी तरह के प्रयास करने की आवश्यकता नहीं है, प्रेम तो हमेशा ऐसा ही रहेगा, तब धीरे-धीरे प्रेम घटने लगता है, दूरी बनने लगती है। प्रेम को भी समय, प्रयास और सजगता चाहिए।

अनजाने में उभरी छवियां ही रिश्ते को बनाती हैं मजबूतः जब पति-पत्नी अनजाने में एक-दूसरे के लिए मां या पिता जैसी भूमिका निभाते रहते हैं, तब रिश्ता भीतर से मजबूत हो जाता है। क्योंकि यह भूमिका मांगी हुई नहीं होती, परिस्थिति से सहज भाव से उपजी होती है। ऐसे क्षणों में अहं नहीं होता, केवल संवेदनशीलता होती है। लेकिन यही छवियां अगर जान-बूझकर खोजी जाएं, जुमले बोले जाएं, 'तुम मेरी मां की तरह क्यों नहीं हो' या 'तुम मेरे पिता जैसे क्यों नहीं हो' तो रिश्ते में तुलना, शिकायत और असंतोष को जन्म देती है, क्योंकि जीवनसाथी माता-पिता का स्थान नहीं ले सकता। इसलिए स्वस्थ दांपत्य में ये छवियां सहज रूप से आती-जाती हैं, इनका आना-जाना ही ज्यादा दांपत्य रिश्ते को खूबसूरत बनाता है।

जरूरी है भूमिकाओं का संतुलनः दांपत्य की सबसे बड़ी खूबसूरती उसकी बहुरूपता है। कभी पति-पत्नी मित्र होते हैं, कभी माता-पिता, कभी प्रेमी-प्रेमिका और कभी केवल सहयात्री। यदि इन भूमिकाओं को लचीलेपन के साथ अपनाया जाए तो रिश्ते कभी बोझ नहीं बनते। एक ही भूमिका की अपेक्षा रखना रिश्ते को सीमित कर देता है। स्नेह तब परिपक्व हो जाता है, जब उसमें बराबरी, संवाद और साझा जिम्मेदारी हो। पति-पत्नी आनंद से तब साथ रह पाते हैं, जब वे एक-दूसरे की परवाह को कर्तव्य नहीं, प्रेम समझते हैं। कभी एक आगे बढ़कर थाम लेता है, कभी दूसरा। कभी प्रेमी बनकर रोमांच रचते हैं, कभी मित्र बनकर हंसते हैं तो कभी माता-पिता जैसी कोमलता में एक-दूसरे को संबल देते हैं। दांपत्य का मनोविज्ञान यही सिखाता है कि ऐसा संतुलन ही इसे प्रगाढ़ और मधुर बनाता है।

घर में भी रहें सजी-संवरी

अधिकतर होममेकर्स घर में रफ-टफ ढंग से रहती हैं। उन्हें मेकओवर करना गैरजरूरी लगता है, जबकि घर में सज-संवर कर रहने से न केवल कॉन्फिडेंस बढ़ता है, आप हैप्पी-एनर्जेटिक भी फील करती हैं।

सेल्फ केयर
चैतन्या

हमारे घरों में होममेकर महिलाओं का रुटीन आमतौर पर नीरस सा होता है। यह केवल जिम्मेदारियों की भागदौड़ के चलते ही नहीं होता। स्वयं की अनदेखी भी इसके पीछे एक बड़ा कारण है। घर तक सिमटकर रहने वाली महिलाएं अपनी संभाल-देखभाल करना ही भूल जाती हैं। सोचने वाली बात है कि तैयार होकर रहने के लिए घर से बाहर जाने की शर्त ही क्यों हो? घर के काम-काज करते हुए भी खुद को सजा-संवरा रखा जा सकता है। इसके कई फायदे हैं।

आत्मविश्वास की सौगातः सेल्फ केयर से आत्मविश्वास बढ़ता है। इसलिए गृहणियां भी अच्छी दिनचर्या बनाकर अपनी केयर के लिए कुछ समय जरूर निकालें। काम-काजी महिलाएं ऑफिस के लिए तैयार होकर निकलती हैं। पर प्रायः होममेकर्स, सुबह से शाम तक खुद को ठीक से आईने में भी नहीं देखतीं। धीरे-धीरे यह रुटीन पूरे व्यक्तित्व को ही नीरस बना देता है। ऐसे में जरूरी है कि घर के कोने-कोने का मेकओवर करने वाली स्त्रियां खुद को न भूलें। सेल्फ केयर को भी तवज्जो दें। सहज ढंग से घर में भी तैयार होकर रहें। बालों को संवारकर रखें। ये सभी बातें आपका आत्मविश्वास तो बढ़ाएंगी ही मानसिक सुकून भी देंगी।

फील करेंगी एक्टिव-एनर्जेटिकः घर की चारदीवारी के भीतर का मोनोटोनस रुटीन, गृहणियों को थके मन और बिखरे से जीवन की ओर ले जाता है। ऐसे में गृहणियों को यह समय रहते समझना होगा कि यह दिनचर्या कोई एक-दो दिन या कुछ महीनों की बात नहीं होती। जब जीवन ही घर-आंगन में बीतना है तो क्यों ना खुद की देखभाल भी रोजमर्रा के रुटीन का हिस्सा हो! अपनी पसंद के मुताबिक सज-संवरकर रहा जाए। अच्छे से तैयार होकर रहना मानसिक रूप से भी ताजगी देता है। अपने ही व्यक्तित्व के प्रति पॉजिटिव फीलिंग बढ़ती है। इसीलिए घरेलू कामों में भी अपनी ड्रेसिंग सेंस पर ध्यान जरूर दें। नियमित अच्छी ड्रेसेस पहनने से आप खुद को एक्टिव भी रख सकेंगी।

बच्चों के व्यक्तित्व पर असरः होममेकर मांओं के लाइफस्टाइल का असर बच्चों के व्यक्तित्व पर भी पड़ता है। आपकी सेल्फ केयर से बच्चे भी ऐसा करना सीखते हैं। खुद का ख्याल रखने वाले बच्चे आत्मविश्वासी बनते हैं। अपनी साज-संवार का ध्यान रखते हैं। निष्क्रिय बनने के बजाय एक्टिव और अलर्ट व्यक्तित्व के धनी बनते हैं। इसीलिए बच्चों की बेहतरी के लिए भी खुद को सभालें।

बच्चे और आप
विधि गोयल

सभी बच्चे एक जैसे नहीं होते हैं। जहां कई बच्चे आसानी से अनजान लोगों के साथ बातचीत कर लेते हैं, अपनी बात कह लेते हैं, वहीं कुछ बच्चे लोगों से बात नहीं कर पाते या झिझकते हैं। ऐसे बच्चों की इस झिझक को आसानी से दूर किया जा सकता है।

बच्चे की वीक कम्युनिकेशन स्किल आसानी से कर सकते हैं इंप्रूव

सभी पैरेंट्स चाहते हैं कि उनके बच्चे क्लास में अच्छा परफॉर्म करें, कॉन्फिडेंट बनें, स्कूल, कॉलेज में लीडिंग रोल्स में रहें। लेकिन कुछ बच्चे वीक कम्युनिकेशन स्किल की वजह से दूसरों से बात करने में झिझकते हैं। इससे उन्हें पर्सनल लाइफ ही नहीं बल्कि प्रोफेशनल लाइफ में भी ग्रो करने में परेशानी होती है। तो ऐसे में परेशान होने के बजाय कुछ बातों पर पैरेंट्स को अमल करना चाहिए। आइए जानते हैं कि किस तरह बच्चों में बातचीत यानी कम्युनिकेशन स्किल्स को स्ट्रॉन्ग कर सकते हैं?

स्क्रीन टाइम करें मैनेजः स्मार्ट फोन, टीवी स्क्रीन और ऑनलाइन गेम्स में बच्चों की जरूरत से ज्यादा सक्रियता के चलते भी बच्चे अपनी ही दुनिया में व्यस्त रहते हैं। इस कारण उन्हें अन्य बच्चों और घर में आए मेहमानों से, बाहर लोगों से मेलजोल करने में झिझक होती है। इसलिए बच्चों के अंदर बातचीत या सोशल स्किल्स सिखाने के लिए जरूरी है कि बच्चों का स्क्रीन टाइम मैनेज किया जाए और उन्हें लोगों से मिलना-जुलना, अपनी बात कहना, सिखाया जाए। कम्युनिकेशन सिखाने की शुरुआत के लिए बच्चों के उम्र के ही दूसरे बच्चों को घर में बुलाएं। अपनी उम्र के बच्चों के साथ खेलकर और बातचीत करके बच्चों के लिए घुलना-मिलना आसान हो जाता है। इससे बच्चे की कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर होती हैं।

घर से करें शुरुआतः बच्चों को कुछ भी नया सिखाने से पहले अपने बच्चों को वह जैसा है, उसे स्वीकार करें। पैरेंट्स बच्चे के सामने बार-बार यह न कहें कि ये तो बहुत शर्माता है, किसी से बात नहीं करता तो इससे बच्चे का कॉन्फिडेंस कम होने लगता है। इससे वे बेहतर तरीके से कम्युनिकेशन करना सीख नहीं पाएंगे। अगर कोई बच्चा अनजान लोगों से बात करने में डरता है तो उस डर को एकदम से खत्म नहीं किया जा सकता। बातचीत की शुरुआत खुद और घर के अन्य मेंबर्स से करें। उनकी पसंद की बातें करें, इससे बच्चों के अंदर बात करने का कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और धीरे-धीरे घर से बाहर के लोगों से भी बात करने में उसका डर भी घटेगा।

कर सकते हैं एक्टिंगः पैरेंट्स एक्टिंग वाला कोई प्ले खेल सकते हैं। इसमें आप टीचर, शॉप-कीपर बन सकते हैं और बच्चा स्टूडेंट या खरीददार बन सकता है। ऐसा करने से बच्चे के साथ इंट्रैक्ट करने पर बच्चे का कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और वह दूसरों से बातचीत करने की स्किल भी सीखेगा।

बच्चे को प्रिपेयर करें: अगर घर में गेस्ट आने वाले हैं या आप किसी के घर मेहमान बन कर जाने वाले हों तो बच्चे को पहले से तैयार करें। उसे बताएं कि आपको किसी से मिलना है तो कैसे उन्हें विश करना है, नमस्ते या हाय हैल्लो कहना है? इंट्रोवर्ट बच्चों को अचानक यह समझ नहीं आता है कि उन्हें दूसरों के सामने कैसे बिहेव करना है? इसीलिए बच्चे को पहले से प्रिपेयर करने से बच्चे बातचीत करने में झिझकते नहीं हैं।

खिलौने हो सकते हैं सहायकः छोटे बच्चों को कम्युनिकेशन सिखाने के लिए टॉयज की मदद ली जा सकती है। शुरुआती दौर में बच्चों के पसंदीदा खिलौने को चुनकर बच्चों को बातचीत करना सिखा सकते हैं। इस तरह की बातचीत से बच्चों को खुशी, डर, भय, अकेलापन, दुःख जैसे इमोशंस भी सिखा सकते हैं। टॉय टॉक बच्चों को कम्युनिकेशन सिखाने का एक इफेक्टिव तरीका है। ऐसा करने से बच्चा खेल-खेल में कम्युनिकेशन करना सीख जाता है।

कहानियों के माध्यम से सिखाएंः बच्चों को कहानी सुनना बहुत अच्छा लगता है। कहानी सुनाते समय बच्चे से कहानी के बारे में सवाल-जवाब करें और उन्हें कहानी को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करें।

(पैरेंटिंग कंसल्टेंट डॉ. शिल्पा गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

स्किन केयर
नीलोफर

स्किन केयर के लिए परफेक्ट मानी जाती है हल्दी

अपने देश में केवल खाने में ही नहीं बल्कि ब्यूटी प्रोडक्ट्स में भी हल्दी का खूब इस्तेमाल होता है। चेहरे की रंगत निखारने में हल्दी काफी उपयोगी होती है। इसीलिए मैरिज के अवसर पर दूल्हा-दुल्हन के रंग-रूप को निखारने के लिए हल्दी से बने उबटन का उपयोग किया जाता है। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं। इसीलिए कई प्रॉब्लम्स में कारगर होती है।

निखार के लिएः हल्दी का चमकीला पीला रंग उसमें मौजूद करक्यूमिन नामक तत्व के कारण होता है। यह त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों और पर्यावरणीय प्रदूषकों से हमें सुरक्षा प्रदान करता है। यह स्किन की डेड सेल्स की मरम्मत करके उसमें निखार लाता है। यही वजह है हल्दी त्वचा की देखभाल के लिए यूजफुल मानी जाती है।

मुंहासों से बचाएः हल्दी में मौजूद करक्यूमिन तत्व मुंहासों से बचाता है। जब हमारी त्वचा के रोमछिद्र, ऑयल, डेड स्किन और बाहरी प्रदूष से बंद हो जाते हैं तो चेहरे पर ब्लैक हेड्स, व्हाइट हेड्स और मुंहासे होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में हल्दी, त्वचा में सीरम के उत्पादन को नियंत्रित करने का काम करती है। यही वजह है कि चेहरे पर हल्दी और बेसन को मिलाकर लगाने से मुंहासों से भी छुटकारा मिलता है।

पिग्मेंटेशन से बचाएः लगातार सूरज की किरणों के संपर्क में रहने से हमारी त्वचा में पिग्मेंटेशन हो सकता है। सूर्य की अल्ट्रावॉयलेट किरणों से अगर सुरक्षा के लिए उपाय न किए जाएं तो त्वचा समय से पहले एजिंग का शिकार होने लगती है। त्वचा पर झुर्रियां पड़ जाती हैं और उसकी चमक खत्म हो जाती है। हल्दी में मौजूद करक्यूमिन इस नुकसान से लड़ने और फ्री रेडिकल्स को लड़ने में मदद करता है।

लाभकारी है हल्दीः हल्दी में अनेक एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जिससे यह त्वचा को भरपूर पोषण देने के साथ-साथ एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से संपन्न होती है। मुंहासों से बचने के लिए ही नहीं बल्कि मुंहासों के निशानों को मिटाने के लिए भी त्वचा पर इसका इस्तेमाल किया जाता है। स्ट्रेच मार्क, त्वचा में सूजन, त्वचा का बदरंग होना, इन सभी के लिए यह लाभकारी होती है।

पैच टेस्ट जरूर करें: स्किन ब्यूटी को निखारने के लिए हल्दी के अनेक फायदे हैं। इसका सही फायदा लेने के लिए जहां तक संभव हो हल्दी जैविक, प्राकृतिक और मिलावट रहित होना चाहिए। इसलिए जब भी उबटन बनाने के लिए हल्दी का इस्तेमाल किया जाए, उसका पैच टेस्ट फेस से पहले हाथ की स्किन पर जरूर करना चाहिए ताकि सीधे चेहरे की त्वचा पर इसे लगाने से कोई नुकसान न हो।

डाइट एडवाइस
डॉ. माजिद अलीम

अकसर हाथ-पैरों और जोड़ों में दर्द होना, कमजोर दांत-नाखून, हेयर फॉलिंग या पीरियड्स के दौरान दर्द, कैल्शियम की कमी से हो सकता है। अपनी डाइट में सुधार कर शरीर में होने वाली कैल्शियम की कमी को दूर कर सकती हैं।

शरीर में कैल्शियम की कमी को ऐसे करें दूर

कैल्शियम एक ऐसा महत्वपूर्ण खनिज है, जो हमारे दांतों और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यह हमारी मांसपेशियों के संकुचन, खून के थक्के जमने के लिए भी जरूरी होता है। अकसर 14 से लेकर 17 साल के आयुवर्ग की लड़कियों में और मेनोपॉज के दौरान महिलाओं में कैल्शियम की कमी देखी जाती है। प्रेग्नेंसी के दौरान यदि मां के शरीर में कैल्शियम की कमी हो तो इससे बच्चें के स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर होता है। मानव शरीर कैल्शियम उत्पादित नहीं करता, इसलिए हमें अपने आहार से ही इसे पूरा करना होता है।

इसलिए होती है कमीः महिलाओं में कैल्शियम की कमी का सबसे बड़ा कारण अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही होती है। इसके अलावा खराब जीवनशैली, रेडी टू ईट फूड का सेवन, संतुलित आहार की कमी, खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण भी इसकी कमी देखी जाती है। कैल्शियम युक्त भोज्य पदार्थों की कमी, विटामिन-डी की कमी, मेनोपॉज के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलाव, कैल्शियम अवशोषण में बाधा डालने वाली दवाओं के सेवन, डेयरी उत्पादों का कम सेवन जैसी तमाम वजहों से उनमें कैल्शियम की कमी हो जाती है।

कैल्शियम की कमी के लक्षणः कैल्शियम हड्डियों और दांतों की सेहत के लिए जरूरी तो है ही, यह नाखूनों को मजबूती देता है। इसकी कमी से मांसपेशियों में दर्द, थकावट, दिल की धड़कन बढ़ना, पीरियड्स के दौरान अधिक दर्द होना, बालों का झड़ना, त्वचा का सूखापन, नाखूनों का कमजोर होकर बार-बार टूटना, दांतों का कमजोर होना, जोड़ों में दर्द, याद्दाश्त में कमी, नींद में परेशानी, कब्ज, गैस या पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कमी ऐसे करें दूरः शरीर में कैल्शियम की कमी दूर करने के लिए ऐसे आहार का सेवन करें, जो कैल्शियम से भरपूर हों।

पालकः 100 ग्राम पालक में 90 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। पालक को सिर्फ एक मिनट उबालकर सेवन करना चाहिए।

सोयाबीनः 100 ग्राम सोयाबीन में तकरीबन 175 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। सोयाबीन से बना दूध, टोफू, दही भी फायदेमंद है।

रागीः 100 ग्राम रागी में तकरीबन 370 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। रागी के आटे से कई प्रकार के व्यंजन बनाकर इसका सेवन किया जा सकता है।

मेथी के पत्ते-बीजः 100 ग्राम मेथी के पत्तों में 150 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। मेथी के पत्तों का इस्तेमाल करी, दाल, चावल, कर सकते हैं।

खट्टे फलः खट्टे फलों में विटामिन-सी के साथ कैल्शियम भी भरपूर मात्रा में होता है।

बादामः प्रति 100 ग्राम बादाम में 264 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। प्रतिदिन पांच भीगे बादाम की गिरि खाली पेट खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और त्वचा कोमल और बाल भी स्वस्थ रहते हैं।

काले चनेः ड़ेढ कप काले चने में 315 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। उबले हुए काले या सफेद चने में औसतन एक बाउल में 80 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

दहीः 100 ग्राम दही में 85 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

चिया सीड्सः 100 ग्राम चिया सीड्स में लगभग 630 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

धूप का सेवनः महिलाओं को अपने शरीर में कैल्शियम की अपूर्ति के लिए कैल्शियमयुक्त आहार की जरूरत के साथ-साथ सुबह की धूप भी सेकना जरूरी है। क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन-डी, कैल्शियम अवशोषण के लिए जरूरी होता है।

खबर संक्षेप

नेताओं को नजरबंद करने की निंदा

हिसार। अखिल भारतीय किसान सभा ने किसान संगठनों के नेतृत्वकारी कार्यकर्ताओं को किसान मजदूर संसद में जंतर-मंतर जाने से पहले पुलिस द्वारा घरों में नजरबंद किये जाने की कड़ी निंदा की है। संगठन के अनुसार जिला किसान सभा के सचिव सरबत पूनिया, संयुक्त किसान मोर्चा के जिला संयोजक सरदानंद राजली व एक अन्य कार्यकर्ता सुधीर के घरों पर हिसार पुलिस पहुंच गई और उन्हें घरों में ही नजरबंद कर लिया। कई घंटे के बाद ही पुलिस वापिस गई। राज्य कमेटी ने पुलिस कार्रवाई पर क्षोभ प्रकट करते हुए इसे जनतांत्रिक अधिकारों की दृष्टि से गंभीर मसला बताया है।

श्याम जागरण में बाबा के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

उकलाना। श्री श्याम मंदिर कमेटी एवं श्याम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा उकलाना में 29वें श्री श्याम जागरण का भव्य आयोजन किया गया। जागरण में गूंजे भजनों बाबा हमें यह बता दे, हमसे तो तकरार है उनसे प्यार है, जिनको सेठ बनाया है, हल्ला वही मचाते हैं और तुम ना सुनोगे तो कौन सुनेगा, साथी हमारा कौन बनेगा ने श्रद्धालुओं को देर रात तक झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख समाजसेवी धर्मपाल गोयल, हरिओम मित्तल, मनोज गर्ग (दिल्ली), संजय बिठमड़ा, डीसीएम डॉ. विनीत गेरा, डॉ. ऐश्वर्या गेरा, विजेंद्र गर्ग व रमेश सोनी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने बाबा श्याम के चरणों में हाजिरी लगाई और भंडारे का शुभारंभ किया।

फिल्म दा कारगिल गर्ल पर चर्चा का आयोजन

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की वूमेन सेल, एनएसएस यूनिट और यूएलसी के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 9 से 11 मार्च 'सलाम नारी को' शीर्षक से विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को वूमेन सेल द्वारा प्रेरणादायक फिल्म 'गुंजन सक्सेनाः दा कारगिल गर्ल' पर चर्चा का आयोजन किया गया।वूमेन सेल की अध्यक्षा प्रो. दीपा मंगला ने बताया कि सीआरएस सभागार के सेमिनार हॉल-2 में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 150 से अधिक शोधार्थियों ने भाग लिया।

गुजवि में अकादमिक करियर ड्राइव आयोजित

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से अकैड-2026 (एकेडमिक केरियर एक्विजिशन ड्राइव वीक) जॉब फेयर का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने बताया कि इस ड्राइव में 24 विभिन्न कार्यक्रमों जैसे एमएससी बॉटनी, एमएससी जूलॉजी, एमएससी फिजिक्स, एमएससी केमिस्ट्री, एमएससी मैथेमेटिक्स, एमएससी साइकोलॉजी, एमएससी योगा साइंस एंड थेरेपी, एमएससी इकोनॉमिक्स, एमए इंग्लिश, एमए हिंदी तथा एमए मास कम्युनिकेशन आदि के कुल 416 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

हकृवि में आयकर अधिनियम 2025 पर कार्यशाला में रखे विचार

आयकर किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण : प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में आयकर अधिनियम-2025 को लेकर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। हकृवि के वित्त नियंत्रक कार्यालय एवं आयकर विभाग की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे जबकि आयकर विभाग कार्यालय, रोहतक से संयुक्त निदेशक डॉ. पूनम सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि जीवन में सीखना एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। कार्य करने में निपुणता जरूरी है। इसलिए आयकर अधिनियम 2025 के नियमों एवं प्रावधानों के बारे में जागरूकता के लिए कार्यशाला आयोजित की गई है। आयकर किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह सरकार की आय का मुख्य स्रोत भी है, जिससे देश के विकास और जनकल्याण से जुड़े कार्य किए जाते हैं। आयकर से सरकार को बड़ी मात्रा में राजस्व प्राप्त होता है, जिससे विभिन्न विकास योजनाएं और प्रशासनिक कार्य संचालित किए जाते हैं। इससे आर्थिक संतुलन बनाए रखने और राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित होती है।

कर प्रणाली को सरल और प्रभावी बनाने के लिए सुधार जरूरी: डॉ. पूनम

डॉ. पूनम सिंह ने बताया कि देश की आर्थिक व्यवस्था को पारदर्शी, सरल और प्रभावी बनाने के लिए कर प्रणाली में निरंतर सुधार किए जा रहे हैं। आयकर अधिनियम 2025 भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य कर व्यवस्था को सरल बनाना, डिजिटल तकनीक को बढ़ावा देना तथा कर दाताओं के लिए अनुपालन की प्रक्रिया को सहज बनाना है। वर्तमान में अधिकांश प्रक्रियाएं ऑनलाइन और कैशलेस हो चुकी हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और करदाताओं को अनावश्यक परेशानियों से राहत मिली है। आयकर अधिनियम 2025 में नई कर व्यवस्था को भी प्रोत्साहित किया गया है। रिटर्न फाइलिंग की प्रक्रिया को भी अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया गया है, जिससे आम नागरिक भी आसानी से अपना आयकर रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। इस अधिनियम में कर अनुपालन को मजबूत बनाने, कर चोरी को रोकने तथा करदाताओं और विभाग के बीच विश्वास को बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। साथ ही स्टार्ट-अप, उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने के लिए भी कई सकारात्मक प्रावधान शामिल किए गए हैं।

नियमों और प्रावधानों के बारे में दी जानकारी

वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने सभी का स्वागत किया और कार्यशाला में किए गए नियमों और प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में सीए परमजीत सिंह व विकास गर्ग ने सैलरी, हाउस रेंट, एजुकेशन एलाउंस सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद किया। मंच पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव भी उपस्थित रहे।

आदमपुर। कार्यक्रम में उपस्थित संस्थान की महिला प्राध्यापिकाएं व महिला कर्मचारी।

महिला समाज की आधारशिला : डॉ. सिंह

आदमपुर पॉलीटेक्निक में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आदमपुर

राजकीय बहुतकनीकी में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान की महिला प्राध्यापिकाओं एवं महिला कर्मचारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. बिजेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि महिला समाज की आधारशिला है। परिवार से लेकर राष्ट्र निर्माण तक प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि आज की महिला शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, खेल और तकनीकी क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण से जुड़े विचार प्रस्तुत किए और नारी शक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला। एनएसएस अधिकारी डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिला दिवस हमें यह संदेश देता है कि समाज में महिलाओं को समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए।

होली चाइल्ड की गुंजन ने जीता गोल्ड

हिसार। होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इंटरनेशनल ओलंपियाड ऑफ मैथमेटिक्स में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। प्रतियोगिता में विद्यालय की कक्षा चौथी की छात्रा गुंजन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त किया तथा स्टेट रैंक 1158 हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। वहीं विद्यालय की एक अन्य मेधावी छात्रा इशिता (कक्षा 5) ने भी अपनी असाधारण प्रतिभा और गणितीय कौशल का परिचय देते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त किया और स्टेट रैंक 1268 हासिल की।

जेजेपी की हांसी रैली को लेकर दिग्विजय सिंह चौटाला ने कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते जेजेपी नेता दिग्विजय चौटाला। फोटो : हरिभूमि

जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने सोमवार को जिला कार्यालय में हिसार, नलवा और आदमपुर विधानसभा के कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक में आगामी 13 मार्च को हांसी में होने वाली जननायक जनता पार्टी की रैली को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और रैली को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

बैठक को संबोधित करते हुए दिग्विजय चौटाला ने कहा कि 13 मार्च की रैली पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इसे ऐतिहासिक बनाने के लिए हर कार्यकर्ता को पूरी ताकत के साथ जुटना होगा। उन्होंने कहा कि जननायक चौधरी देवीलाल की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए पार्टी का हर कार्यकर्ता समर्पण के साथ काम कर रहा है और यही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनिल बालकिया, अनिल शर्मा, विजेंद्र धानक, सुमन श्योराण, राजमल काजल, मास्टर ताराचंद, पंकज मेहता, डॉ. अजीत, विपिन गोयल, सुनील मुंड आदि रहे।

एक नारी सब कुछ करने में सक्षम

■ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर किया कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित महिला मंडल की सदस्य। फोटो : हरिभूमि

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर तेरापंथ भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

महिला मंडल की सदस्याओं ने प्रेरणा गीत का संगान किया। साध्वी श्री यशोधरा ने आज के समय में एक नारी सब कुछ करने में सक्षम है इसके बारे में बताया। उन्होंने सेवा भावना बनाए रखने के लिए और चेतना जागृत रखने के लिए प्रेरित किया। साध्वी श्री तरुणयशा ने समय और धैर्य को दो मूर्तियों के रूप में बताया जिसके बिना हम कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त नहीं कर सकते।

साध्वीश्री ऋजुयशा ने कविता के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त की। साध्वीश्री नीतिप्रभा जी ने अपने विचार शब्दों के माध्यम से व्यक्त किए। साध्वीश्री कारुण्यशा ने संगीत के द्वारा अपनी अभिव्यक्ति दी। महिला मंडल की अध्यक्षा दीपा जैन ने साध्वी श्री जी व कार्यक्रम में आई हुई सभी महिलाओं का स्वागत किया।

हिसार। पशुपालकों को जानकारी देते चिकित्सक।

पशुपालकों के लिए डेयरी प्रशिक्षण गोष्ठी का आयोजन

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पशुधन उत्पादन प्रबंधन विभाग एवं हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र, लकड़िया की ओर से झज्जर जिले के मेहराना गांव में अनुसूचित जाति वर्ग के लाभार्थियों के लिए डेयरी पालन विषय पर पशुपालक गोष्ठी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारत सरकार के भैंस नस्ल सुधार प्रोजेक्ट द्वारा वित्त पोषित किया गया। कार्यक्रम के निदेशक डॉ. डीएस बिढान व क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय यादव की देखरेख में आयोजित इस गोष्ठी में अनेक पशुपालकों ने भाग लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने पशुपालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की महत्ता पर प्रकाश डाला

पक्षियों के लिए जलकुंड व घौंसला अभियान भी किया शुरू

गांव थुराना में युवाओं के लिए लाइब्रेरी की सौगात

नारनौंद। गांव थुराना में थुराना वेलफेयर एसोसिएशन के प्रयासों से सामाजिक सरोकारों से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान इंडो-पाक युद्ध 1971 के नायक शहीद इंद्र सिंह पानू के सम्मान में बनाई गई लाइब्रेरी को पढ़ाई करने वाले बच्चों को समर्पित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने शहीद इंद्र सिंह पानू को श्रद्धांजलि देते हुए उनके योगदान को याद किया और बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। इस अवसर पर एसोसिएशन के सदस्य मास्टर सुरेश पानू ने हर बार की तरह इस बार भी पक्षियों के संरक्षण के लिए 101 जलकुंड लगाने की मुहिम को आगे बढ़ाया। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में पक्षियों को पानी उपलब्ध कराने के लिए गांव-गांव में जलकुंड लगाने का अभियान चलाया जा रहा है, ताकि जीव-जंतुओं की सेवा भी समाज की जिम्मेदारी बन सके। कार्यक्रम के दौरान सुरेश पानू की माता ने भी प्रेरणादायक पहल करते हुए अपनी बुढ़ापा पेंशन की राशि लाइब्रेरी के कोष में जमा करवाई। उनकी इस पहल की ग्रामीणों ने सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। वहीं टीम के सदस्य प्रदीप उर्फ पोपट नंबरदार ने पक्षियों के घोंसला अभियान को आगे बढ़ाते हुए सदस्यों को 65 घोंसले वितरित किए, जिन्हें गांव में अलग-अलग स्थानों पर लगाने की जिम्मेदारी दी गई। इस मौके पर सरपंच रामदिया, प्रधान सुरेंद्र मलिक, सचिव वीरेंद्र, जसवंत सिंह, संदीप डीपी, बिजेंद्र मास्टर, मनोज शर्मा, अमन शर्मा, सुनील, अशोक, महावीर नंबरदार, धर्मपाल, लीलू, अमरदीप रहे।

नारी सम्मान समारोह का आयोजन

छात्रों के अभिभावकों को मेडल देकर किया सम्मानित

हिसार। कर्म कल्याणी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा ब्राइट फ्यूचर स्कूल के सहयोग से अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को और स्कूल के सभी छात्रों के अभिभावकों को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आए समाजसेवी कमल अग्रवाल, डॉ. गुंजन गोयल, डॉ. गरिमा व जींद डीडीपीओ संदीप कुमार का भी आदर-सत्कार करते हुए उन्हें स्मृति-चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम की आयोजक व सोसायटी की संस्थापक मौसमी कर ने अपने संबोधन में कहा कि नारी के बिना यह संसार अधूरा है।

वर्तमान में वे विवि के कार्य विभाग के प्रोफेसर इंचार्ज के रूप में निभा रहे जिम्मेदारी

प्रो. हेमचंद्र गर्ग 3 साल के लिए इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी संकाय के अधिष्ठाता नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी संकाय का अधिष्ठाता नियुक्त किए जाने पर प्रो. हेमचंद्र गर्ग को शुभकामनाएं देते वरिष्ठ शिक्षक।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. हेमचंद्र गर्ग को विश्वविद्यालय प्रशासन ने तीन साल के लिए इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी संकाय का अधिष्ठाता नियुक्त किया है। उन्होंने इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी संकाय के अधिष्ठाता के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। अपनी इस नियुक्ति के लिए प्रो. हेमचंद्र गर्ग ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को संकाय की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का भरोसा भी व्यक्त किया। वर्तमान में वे विश्वविद्यालय के कार्य विभाग के प्रोफेसर इंचार्ज के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं। प्रो. कर्मपाल नरवाल, प्रो. योगेश चाबा, प्रो. संदीप कुमार आर्य, प्रो. विनोद छोकर, प्रो संदीप राणा, प्रो. दलबीर सिंह, प्रो. ओमप्रकाश सांगवान, प्रो. महेश शर्मा, प्रो. संजीव कामरा, प्रो. मनीष गुप्ता, प्रो. पंकज शर्मा सहित वरिष्ठ शिक्षक एवं संकाय कर्मचारी उपस्थित रहे और प्रोफेसर गर्ग को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी।

पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

हिसार। भाजपा कार्यालय में समस्याएं सुनते पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

हिसार। पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने सोमवार को जिला कार्यालय में आम नागरिकों से मुलाकात कर उनकी विभिन्न समस्याओं कोगंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके समाधान के लिए निर्देशित किया। डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करवाना जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य ही नहीं बल्कि नागरिकों का अधिकार भी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रशासन को आम लोगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए।

इस अवसर पर सुरेश गोयल धूपवाला, रामचंद्र गुप्ता, सतीश सुरलिया, लोकेश असीजा, प्रोमिला पूनिया, अनुज जैन, पंकज गुप्ता, प्रवीण कुमार, विनोद तोशावाड़, जय भगवान व धर्मवीर पानू आदि उपस्थित रहें।

पूजा-अर्चना के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

प्राचीन शीतला माता मंदिर में मेले का आगाज

भक्तों ने माता के चरणों में धोक लगाकर सुख-समृद्धि, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। प्राचीन शीतला माता मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

मोहल्ला सैनियान स्थित प्राचीन शीतला माता मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय मेले में सोमवार को पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्त माता के दर्शन करने पहुंचे। रात 12:00 बजे विधिवत पूजा-अर्चना आरंभ हुई। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं और भक्तों ने माता के चरणों में धोक लगाकर सुख-समृद्धि, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। भक्तों ने माता रानी को मीठी पूरी, गुलगुले, सवाली, मीठी दही, गुड़ के चावल एवं शीतल जल का भोग लगाया। सोमवार सुबह आयोजित महा आरती में भी श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और भक्ति भाव से वातावरण गुंजायमान हो उठा। मंदिर प्रधान मुकेश सैनी (मोनू) ने बताया कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंदिर हाल में ठहरने की विशेष व्यवस्था की गई है। शीतला सप्तमी के पावन अवसर पर मंदिर को रंग-बिरंगी झालरों व लाइटों से भव्य रूप से सजाया गया है। मंदिर परिसर में शीतला माता के साथ-साथ नागारखेड़ा भोमिया जी महाराज, जीण माता एवं चौंगान माता के प्राचीन स्थान भी स्थापित हैं, जहां श्रद्धालु मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इस अवसर पर रमेश चंद्र, श्मशान भूमि के प्रधान सुभाष सैनी, राहुल, मनजीत वर्मा, दीपक, सतबीर, मुकेश, प्रवीण बागड़ी, मास्टर संदीप, सुमित सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मेले में श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह देखते ही बन रहा था।

प्राचीन भारतीय संस्कृति और सभ्यता ही पूरे विश्व में सबसे समृद्ध : सुरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। संगोष्ठी में उपस्थित अतिथिगण व भाविप वीर शाखा के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

भारत विकास परिषद की वीर शाखा द्वारा एक रेस्टोरेंट में 'हरियाणा प्रदेश के वर्तमान परिदृश्य और सामाजिक चेतना' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। मुख्य वक्ता और मुख्य अतिथि हरियाणा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया रहे, विशिष्ट अतिथि मेयर प्रवीण पोपली थे,

■ भाविप ने की 'हरियाणा प्रदेश के वर्तमान परिदृश्य और सामाजिक चेतना' पर संगोष्ठी

कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय गतिविधि सदस्य सेवा महिपाल यादव ने की।

भाजपा नेता सुरेंद्र पूनिया ने उपस्थित गणमान्य लोगों और युवाओं से आग्रह किया कि वे भारतीय संस्कृति और सभ्यता को अपनाएं। उनका कहना था कि प्राचीन भारतीय संस्कृति और सभ्यता ही संपूर्ण विश्व में सबसे समृद्ध है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के सकारात्मक परिणाम दिख रहे हैं और प्रदेश के सामाजिक माहौल में गुणात्मक सुधार आया है। इस अवसर पर उन्होंने भारत विकास परिषद की सदस्यता ली और वीर शाखा के निशुल्क अस्पताल के लिए पूरा सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि परिषद् की निशुल्क अस्पताल की सेवाएं प्रशंसनीय हैं। नगर में अस्पताल के लिए जमीन या भवन उपलब्ध करवाने का वे आश्वासन देते हैं। अध्यक्षीय वक्तव्य में महिपाल यादव ने भारत विकास परिषद की गतिविधियों और सेवा विस्तार की जानकारी दी। शाखा अध्यक्ष डॉ. रमेश आर्य ने बताया कि वीर जन सेवार्थ औषधालय प्रतिदिन निःशुल्क सेवाएं देगा ताकि जरूरतमंदों को अधिक से अधिक स्वास्थ्य लाभ मिल सके। शाखा के वित्त सचिव संजय भयाना ने पूरे वर्ष का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया।

खबर संक्षेप

सोशल मीडिया पर न करें हथियारों का प्रदर्शन : एसपी

हांसी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हथियारों का प्रदर्शन करना, उनके साथ फोटो या वीडियो बनाकर पोस्ट करना तथा लोगों में भय या दहशत का माहौल पैदा करना कानूनन अपराध है। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने बताया कि वर्तमान समय में कुछ लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप आदि पर अवैध या लाइसेंसी हथियारों के साथ फोटो और वीडियो डालकर अपनी झूठी धाक जमाने का प्रयास करते हैं। इस प्रकार की गतिविधियां समाज में गलत संदेश देती हैं तथा युवाओं को भी भटकाने का काम करती हैं। जिला पुलिस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। यदि कोई व्यक्ति हथियारों का प्रदर्शन करते हुए फोटो या वीडियो अपलोड करता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एनआईआरसी ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

हिसार। चार्टर्ड अकाउंटेंट की संस्था एनआईआरसी हिसार ब्रांच की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान गाते व नाचते हुए महिला सदस्यों ने एक-दूसरे को महिला दिवस की बधाई दी और केक काटकर उसका वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में महिला सदस्यों का उत्साह व जोश देखने लायक रहा। सेक्टर 16-17 के इंस्टीट्यूशनल एरिया में स्थित आईसीएआई भवन में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में हिसार ब्रांच की पूर्व चेयरमैन सीए आशा जैन, प्रसिद्ध साइकोलॉजिस्ट डॉ. सुमन बहमानी व प्रसिद्ध महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. मीनाक्षी बंसल सहित कई प्रसिद्ध हस्तियां मौजूद रही। इस अवसर पर महिला सदस्यों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन भी किया गया।

महिला दिवस पर महिलाओं को किया सम्मानित

हिसार। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाली तथा समाज के लिए प्रेरणा बनने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा ओड सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश मुडाई, नत्थू राम गंगवानी व कृष्ण लाल बांगा मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने महिलाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में कैलाशवंती, नीलम, मीनू, मोनिका, प्रियंका, बबीता, अंजू, उपमा, वीना, पूनम, सोनिया आदि को सम्मानित किया गया। इस मौके पर केवल गांधी, मुकेश बांगा, झोनी बांगा, सतीश मजोका, सुखजीत, नवदीप, संदीप मजोका आदि थे।

सूर्य नगर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया

हिसार। सूर्यनगर में आंखों की जांच का निशुल्क कैंप आयोजित किया गया। कैंप में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सुल्तान मान व उनकी टीम का अहम योगदान रहा। इस अवसर पर वार्ड नंबर 10 की पार्षद साक्षी शर्मा विजड़ मुख्य अतिथि रही, जिन्होंने रिबन काटकर शिविर का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में डॉ. नवीन शर्मा, डॉ. रेखा शर्मा, डॉ प्रवीण शर्मा, राजेश शर्मा, सूर्य नगर ब्राह्मण सभा के प्रधान रवि दत्त शर्मा, श्री भगवान परशुराम के अध्यक्ष हरिकिशन शर्मा, रविंद्र शांडिल्य, गोपी राम, राम कला शर्मा, महावीर शर्मा, सुनील दत्त, रोहताश शर्मा, नरेश शर्मा व सचिन शर्मा आदि थे।

छात्रों-बुजुर्गों से ज्यादा किराया वसूलने के थे आरोपी, डीसी ने आरटीए को दिए निर्देश

प्राइवेट बसों में ज्यादा किराया वसूली पर की जाए कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त महेंद्र पाल ने नागरिकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके निपटान के निर्देश दिए। समाधान शिविर में गांव पातन निवासी सुबे सिंह द्वारा पंचायती भूमि की पैमाइश करवाने की मांग पर उपायुक्त महेंद्र पाल ने जिला राजस्व अधिकारी को मामले के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

लघु सचिवालय में लगे समाधान शिविर में उपायुक्त महेंद्र पाल ने की जनसुनवाई

गांव मय्यड़ के एक प्रार्थी द्वारा प्राइवेट बस चालकों द्वारा छात्रों व बुजुर्गों से किराये की अधिक वसूली करने व सरकारी पास न मानने संबंधी शिकायत पर उपायुक्त ने आरटीए को इस मामले पर उचित कार्रवाई करने की हिदायत दी।

हिसार। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनते उपायुक्त महेंद्र पाल।

निजी जमीन पर पंचायत ने बनी गली

गांव आर्यनगर निवासी एक प्रार्थी द्वारा निजी भूमि पर पंचायत द्वारा गली बना दिए जाने पर उपायुक्त महेंद्र पाल ने डीडीपीओ को मौका मुआयना कर मामले की जांच करने के निर्देश दिए। सूर्य नगर हिसार निवासी एक प्रार्थी ने नगर निगम द्वारा गली का पूर्ण रूप से निर्माण न करने के संबंध में उपायुक्त ने नगर निगम विभाग के अधिकारियों को मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने की हिदायत दी। रेडक्रॉस मार्केट एसोसिएशन द्वारा रेडक्रॉस सोसायटी हिसार से खरीद गए प्लॉट की कनवेंस डीड की अनुमति दिलवाने की मांग पर उपायुक्त ने रैडक्रॉस सचिव को इस मामले पर आगामी आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। इस अवसर पर नगराधीश हरिराम, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हांसी। समाधान शिविर मे जनसमस्याएं सुनते एसडीएम राजेश खोथ।

रजिस्ट्री-इंतकाल नाम, नहीं दिया प्लॉट

हांसी। जिला सचिवालय परिसर में सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम राजेश खोथ ने जन समस्याएं सुनीं। इस दौरान कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि अन्य कई समस्याओं के समाधान के लिए समय सीमा भी निर्धारित की गई। गढ़ी गांव से बड़ी संख्या में ग्रामीण प्लॉटों पर कब्जे की मांग को लेकर समाधान शिविर में पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें पूर्व सरकार द्वारा गांव के जोहड़ के पास 100-100 गज के 174 प्लॉट आवंटित किए गए थे, जिनका कुल रकबा लगभग 82 कनाल 10 मरले है। ग्रामीणों का कहना था कि जमीन की रजिस्ट्री और इंतकाल उनके नाम होने के बावजूद उन्हें आज तक प्लॉटों का कब्जा नहीं दिया गया। अब संबंधित विभाग जोहड़ की की भूमि बताकर प्लॉट देने से इनकार कर रहा है। शिविर के दौरान जगदीश कॉलोनी निवासी अशोक कुमार ने क्षेत्र में सीवर सफाई न होने तथा कालोनी में पेयजल आपूर्ति हेतू डाली गई नई पाइप लाइन के लीकेज होने चलते गलियों में जलभराव की समस्या उठाई। इस पर एसडीएम ने जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को मौके का निरीक्षण कर जल्द समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। वहीं आदर्श नगर निवासी एक व्यक्ति ने उनके नाम से गलत तरीके से जारी किए गए अवैध क्रेडिट कार्ड की शिकायत रखी। एसडीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई कर समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।

- समाधान शिविर में गढ़ी गांव के ग्रामीणों प्लॉटों पर कब्जे देने की उठाई मांग
- एसडीएम ने सुनी जनसमस्याएं

हिसार। पार्षद का पुतला लेकर प्रदर्शन करते सफाई कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

सफाई कर्मियों व पार्षद राजेश अरोड़ा में विवाद, पुतला फूंका

- गुस्साए सफाई कर्मियों ने पार्षद का घर घेरकर की नारेबाजी
- पार्षद ने आरोप नकारे, बोले- केवल काम का हिसाब मांगा

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

शहर के वार्ड 17 के भाजपा पार्षद राजेश अरोड़ा व सफाई कर्मचारियों के बीच विवाद हो गया। पार्षद पर दुव्यवहार का आरोप लगाते हुए सफाई कर्मचारियों ने सोमवार को उनके घर का घेराव करके नारेबाजी की। यही नहीं, सफाई कर्मचारियों ने वार्ड 17 की सफाई न करने का भी ऐलान किया है।

उधर, पार्षद राजेश अरोड़ा का कहना है कि उन्होंने केवल काम का हिसाब मांगा था। इसी बात से सफाई कर्मचारी गुस्से में हैं। मिली जानकारी के अनुसार सफाई कर्मी आरोप लगा रहे हैं कि वार्ड 17 के पार्षद राजेश अरोड़ा ने सेक्टर 15 में कार्यरत महिला कर्मी व अन्य के साथ दुर्व्यवहार किया। इसी के विरोध में कर्मचारियों ने सुबह 8 बजे ही काम छोड़ो हड़ताल शुरू कर दी। नगरपालिका कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने सफाई कर्मचारियों को साथ लेकर पार्षद राजेश अरोड़ा के घर का घेराव कर उनका पुतला फूंका और नारेबाजी की। यूनियन प्रधान सुरेंद्र गोलू ने चेताया कि जब तक पार्षद माफी नहीं मांगेंगे, वे वार्ड 17 में सफाई नहीं करेंगे। यदि समाधान नहीं निकला तो पूरे शहर की सफाई व्यवस्था ठप करने पर विचार किया जाएगा।

आरोप व सफाई

सफाई कर्मी जहां पार्षद पर तीन दरोगाओं के तबादले और अभद्र व्यवहार का आरोप लगा रहे हैं वहीं पार्षद राजेश अरोड़ा इन आरोपों को गलत बता रहे हैं। पार्षद राजेश अरोड़ा का कहना है कि उन्होंने केवल काम का हिसाब मांगा था। इसी बात से सफाई कर्मचारी गुस्से में हैं।

अवैध हथियार मामले में आरोपी पुलिस रिमांड पर

हांसी। सीआईए स्टाफ हांसी ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक आरोपी पेटवाड़ निवासी सिकंदर उर्फ भोलू को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी। एएसआई रवि कुमार ने बताया कि 18 नवंबर को वह पुलिस टीम के साथ अपराध की रोकथाम के लिए बास थाना क्षेत्र में टोल टैक्स के पास संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रहे थे कि इसी दौरान सूचना मिली कि भकलाना मोड़ के पास एक युवक अवैध पिस्तोल लिए घूम रहा है। सूचना के आधार जब पुलिस टीम बताए गए स्थान पर पहुंची तो वहां एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घूमता देख पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे काबू कर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ था। आरोपी के खिलाफ संबंधित थाना में आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और मामले की जांच के दौरान पुलिस ने बास आजमशाह पुर निवासी सोनू उर्फ ठाकुर को भी इस मामले में संलिप्त पाया। अवैध हथियार रखने के मामले में संलिप्त सोनू को अदालत से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर एक दिन का पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

सरपंच पर प्रशासन के खिलाफ उतरे ग्रामीण

- नारनौंद बीडीपीओ कार्यालय में राखी शाहपुर सरपंच के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन
- मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन, 10 दिन में कार्रवाई न हुई तो बीडीपीओ कार्यालय में धरना होगा शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौंद

नारनौंद। बीडीपीओ कार्यालय में बीडीपीओ सत्यवान बूरा से बातचीत करते हुए ग्रामीण।

गांव राखी शाहपुर के ग्रामीणों ने सोमवार को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी (बीडीपीओ) कार्यालय परिसर में सरपंच और प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने पंचायत के कार्यों में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए सरकार व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और बीडीपीओ सत्यवान बूरा से मुलाकात कर 10 दिन के भीतर कार्रवाई करने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि तय समय में उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे बीडीपीओ कार्यालय के अंदर धरना शुरू कर देंगे। ग्रामीण राजकुमार राखी, पंच धर्मेंद्र श्योराण, अशोक, जोरा सिंह और सत्यनारायण ने बताया कि गांव के 11 पंचों द्वारा सरपंच मनीष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दिया जा चुका है, लेकिन अब तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उनका आरोप है कि सरपंच बिना एजेंडा के ही पंचायत की कार्रवाई पुस्तिका अपने घर पर बैठकर तैयार करवा देता है और पंचायत की बैठकें भी नियमित रूप से नहीं बुलाई जातीं। बीडीपीओ सत्यवान बूरा ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि अविश्वास प्रस्ताव और पंचायत फंड के उपयोग से जुड़े मामलों की जांच कराई जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों से 10 दिन का समय मांगा और अगले बुधवार तक उचित कार्रवाई करने की बात कही। इस मौके पर जयवीर, सुखवीर, रामदिया, शमशेर, कृष्ण, महा सिंह, संदीप, अजमेर, जोरा सिंह, काला, रामकुमार, सुरेश, अजीत, रामपाल, राजेश शर्मा, संजय, प्रवीण, शीशपाल, दिलबाग और सतबीर सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने लगाए आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों के बारे में न तो ग्राम सभा आयोजित की जाती है और न ही पंचों व ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी जाती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 15वें वित्त आयोग के तहत मिलने वाले फंड का भी सही तरीके से उपयोग नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत गांव में काटे जा रहे 100-100 गज के प्लाटों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी उठाई। उनका कहना है कि लाभार्थियों की सूची में गड़बड़ी की आशंका है। कई जगह एक ही परिवार के दो-तीन सदस्यों के नाम शामिल किए गए हैं, जबकि कई जरूरतमंद लोगों को योजना का लाभ नहीं मिल रहा। इसके अलावा ग्रामीणों ने गांव में प्रस्तावित नाले के निर्माण को लेकर भी आपत्ति जताई। उनका कहना है कि खेड़ी-चौपटा रोड के साथ नाला बनाने के बजाय इसे खेतों की साइड से बनाया जाना चाहिए, क्योंकि पहले भी गांव के गंदे पानी की निकासी वहीं से होती रही है और इससे किसानों को सिंचाई के लिए पानी का उपयोग करने में भी सुविधा होगी।

रास्ता रोककर मारपीट करने के मामले में एक नामजद काबू

हिसार। एचटीएम थाना पुलिस ने रास्ता रोक कर मारपीट करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान घोड़ा फार्म रोड निवासी अंकुश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार इस संबंध में 10 फरवरी को शिव नगर निवासी हिमांशु ने शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार एक दिन पहले आशु बॉक्सर उसकी किराए पर होटल के लिए ली गई बिल्डिंग में आया और ग्राउंड फ्लोर पर पड़ा जिम का सामान उठाने के लिए पूछने लगा। इस पर उसने जिम का सामान बिल्डिंग मालिक से पूछकर उठाने बारे बोला। शिकायतकर्ता के अनुसार वह अपने भाई राहुल शर्मा के साथ सेक्टर-13 स्थित अपने रेस्टोरेंट को बंद कर स्कूटी पर घर जा रहा था। जब वे पुरानी सब्जी मंडी चौक के पास पहुंचे तो रवि नामक व्यक्ति ने अपनी मोटरसाइकिल स्कूटी के आगे लगाकर उनका रास्ता रोक लिया। शिकायतकर्ता के अनुसार आशु बॉक्सर को सामान न उठाने की रंजिश में रवि ने अपने साथियों को मौके पर बुला लिया। इसके बाद आशु बॉक्सर व अन्य युवकों ने मिलकर शिकायतकर्ता व उसके भाई के साथ मारपीट की और डंडों से हमला कर चोटें पहुंचाई। शोर मचाने पर राहगीरों ने बीच-बचाव कर उन्हें छुड़वाया, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इस मामले में पहले भी दो आरोपी आशीष उर्फ आशु व रमन को पहले ही गिरफ्तार करके जेल भेजा जा चुका है। आरोपी अंकुश से पूछताछ के दौरान उसने घटना में इस्तेमाल साइकिल का चांद व डंडा पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र के कूड़े के ढेर से बरामद किया गया। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। घटना में शामिल अन्य दो आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाश जारी है।

स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं पर हो विशेष फोकस

- शिक्षा अधिकारियों ने बैठक कर व्यवस्थाओं को लेकर दिए निर्देश
- डीईईओ रामरतन व बीईओ जिले सिंह ने प्रिंसिपल, हेडमास्टर व डीडीओ के साथ की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

बरवाला। बैठक में उपस्थित प्रिंसिपल, हेडमास्टर व डीडीओ। *फोटो: हरिभूमि*

बीईओ कार्यालय बरवाला के प्रांगण में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रामरतन व खंड शिक्षा अधिकारी जिले सिंह की अध्यक्षता में बरवाला खंड के सभी प्रिंसिपल, हेडमास्टर और डीडीओ की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था, निरीक्षण प्रणाली और विभागीय निर्देशों के पालन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने विद्यालयों में स्वच्छता, पेयजल, शौचालय व्यवस्था, मध्याह्न भोजन और डिजिटल व आईसीटी संसाधनों के सही उपयोग पर विशेष जोर दिया। डीईईओ रामरतन ने कहा कि विभाग द्वारा विद्यालय निरीक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है और अब अधिकारियों को नियमित रूप से स्कूलों का दौरा कर व्यवस्थाओं की निगरानी करनी होगी। सभी निरीक्षण विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर जियो-टैग के साथ दर्ज किए जाएंगे। बीईओ जिले सिंह ने विद्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए कि वे विभागीय आदेशों का पालन सुनिश्चित करें और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि स्कूलों में उपलब्ध संसाधनों का पूरा उपयोग हो तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

इन बिंदुओं पर चर्चा

इस बैठक में प्रमुख बिंदुओं विद्यालयों में स्वच्छता व शौचालय व्यवस्था बनाए रखने, सुरक्षित पेयजल व मध्याह्न भोजन व्यवस्था की निगरानी, स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर व आईसीटी लैब का उपयोग, विज्ञान प्रयोगशालाओं व शिक्षण सामग्री का प्रयोग, निरीक्षण रिपोर्ट ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए नियमित मॉनिटरिंग पर फोकस करने बारे दिशा निर्देश दिए गए।

निगम ने 28 बेसहारा पशु भेजे गो अभ्यारण

हिसार। नगर निगम द्वारा बेसहारा पशुओं को पकड़ने का अभियान लगातार जारी है। अभियान के सहायक नोडल अधिकारी सुरेन्द्र वर्मा की देखरेख में नगर निगम की टीम ने सोमवार को विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की। एएसआई संदीप बिश्नोई ने बताया कि नगर निगम की टीम ने आजाद नगर, जवाहर नगर, मिर्जापुर रोड, कमैरी रोड, कौशिक नगर, रामनगर, सेक्टर 1-4, एयरपोर्ट चौक, सेक्टर-14, सेक्टर-33 के आस-पास के क्षेत्र से 28 बेसहारा पशुओं को पकड़ा। इनमें 6 गाय, 2 नंदी, 20 बछडे पकड़े गए सभी पशुओं को गौ-अभ्यारण भेज दिया गया है। नगर निगम की टीम के साथ पुलिस विभाग की टीम भी मौजूद रही।

फसल खरीद को लेकर डीसी ने व्यवस्थाओं की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जिले में आगामी फसल खरीद सीजन की तैयारियों को लेकर उपायुक्त महेंद्र पाल ने सोमवार को खरीद एजेंसियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल खरीद से जुड़े सभी प्रबंध समय रहते पूर्ण कर लिए जाएं ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उपायुक्त ने कहा कि फसल खरीद का कार्य पूर्ण पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ किया जाए। उन्होंने खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए कि मंडियों में किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं तथा खरीदी गई फसल की समय पर लिफ्टिंग करवाई जाए, ताकि मंडियों में अनावश्यक भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति पैदा न हो। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि किसानों की फसल का भुगतान निर्धारित समयावधि में उनके खातों में सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य है कि किसानों को उनकी फसल बेचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो और खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो।

नशे का मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

हिसार। स्पेशल स्टाफ ने नशीले पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस मामले में मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हांसी के आदर्श नगर निवासी नवीन के रूप में हुई है। आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।पुलिस के अनुसार 10 फरवरी को पुलिस ने लांधड़ी निवासी विजेन्द्र उर्फ बंटी को 414 ग्राम अफीम सहित गिरफ्तार किया था। एएसआई विक्रांत के नेतृत्व में स्पेशल स्टाफ टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सेक्टर-33 बायपास के पास नाकाबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को काबू किय था तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 414 ग्राम अफीम बरामद की गई थी। इस मामले में आगामी कार्रवाई करते हुए शहर थाना के जांच अधिकारी एएसआई महेन्द्र ने मुखबरी के आधार पर पकड़े गए आरोपी विजेंदर उरफ बंटी को नशा सप्लाई करने वाले मुख्य सप्लायर हांसी के आदर्श नगर निवासी नवीन को काबू किया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

कार्यक्रम नवयुग स्कूल में हिंदू समरसता सम्मेलन का आयोजन

व्यक्तिगत और राष्ट्रीय उन्नति के लिए परिवारों का संस्कारवान होना बहुत आवश्यक: जांगड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौंद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में देश-भर में बस्तियों अनुसार हिन्दू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कस्बे की डॉ. अम्बेडकर बस्ती द्वारा नवयुग स्कूल में मास्टर बिशनलाल गौतम की अध्यक्षता में हिन्दू समरसता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में ईश्वरीय ब्रह्मकुमारी की बहन बिंदु व ईशा ने विशिष्ट अतिथि तथा आरएसएस के वरिष्ठ स्वयं सेवक दलबीर जांगड़ा ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर वंदेमातरम गान के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने स्वागत गीत व देशभक्ति आदि के गीतों व कविताओं से उपस्थित लोगों के मन को मोह लिया। इस अवसर पर बहन बिंदु ने सामाजिक समरसता, स्वदेशी भाषा, सभ्यता व संस्कृति को अपनाने के महत्व पर बल देते हुए कहा कि सभी में एक रक्त बहता है व भगवान के घर से सब इंसान के रूप में ही पृथ्वी पर आते हैं इसलिए जाति पंथ के नाम पर किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए।

नारनौंद। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते अतिथि। *फोटो: हरिभूमि*

राष्ट्रीय उन्नति के लिए संस्कारवान हों परिवार

मुख्य वक्ता दलबीर जांगड़ा ने कहा कि व्यक्तिगत व राष्ट्रीय उन्नति के लिए परिवारों का संस्कारवान होना बहुत आवश्यक है। उन्होंने संघ संस्थापक डॉ केशवराव बलिराम हेडगेवार को जन्मजात देशभक्त बताया। उन्होंने हिन्दू को अपनी भोगोलिक पहचान बताते हुए कहा कि भारत में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति पहले हिन्दू है। इसमें जाति-पाति, धर्म, सम्प्रदाय व पूजा पद्धति आदि से कोई मतलब नहीं। उन्होंने स्वदेशी का आह्वान करते हुए सभी प्रकार के स्वदेशी उत्पादों का इस्तेमाल कर स्थानीय बाजार की मजबूती पर बल दिया व हमारे राष्ट्रीय नागरिक कर्तव्यों का पालन करने का संदेश दिया। उन्होंने संघ द्वारा लिए गए पंच परिवर्तन स्व का बोध, कुटुम्ब प्रबोधन, जल संरक्षण, पर्यावरण की रक्षा व नागरिक कर्तव्य के पांचों विषयों को राष्ट्र की एकता व मजबूती के लिए अति आवश्यक बताते हुए विस्तार से जानकारी दी आत्मसात करने का संकल्प लिया।

उगालन में अफीम के 98 पौधों सहित एक युवक गिरफ्तार

नारनौंद। पुलिस की सीआईए वन की टीम ने कार्रवाई करते हुए गांव उगालन से अफीम के पौधों सहित एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपित की पहचान गांव उगालन के सतबीर के रूप में हुई। आरोपित ने अपने प्लॉट में अवैध रूप से अफीम के पौधे उगा रहे थे। सीआईए-वन में तैनात एएसआई राजेंद्र ने बताया कि पुलिस टीम बस स्टैंड उगालन क्षेत्र में नशीले मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए गश्त व निगरानी पर मौजूद थी। इसी दौरान सूचना मिली कि सतबीर निवासी गांव उगालन ने अपने प्लॉट में अवैध रूप से अफीम के पौधे उगा रखे हैं। यदि तुरंत छापेमारी की जाए तो उसको मौके पर ही अफीम के पौधों सहित काबू किया जा सकता है। तुरंत प्रभाव से टीम का गठन कर बताए गए स्थान पर दबिश दी। पुलिस टीम एक प्लॉट के पास पहुंची तो वहां एक व्यक्ति प्लॉट के गेट के सामने खड़ा दिखाई दिया। पुलिस की गाड़ी को देखकर वह तेजी से प्लॉट के अंदर जाने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे काबू कर लिया। पूछताछ करने पर उसकी पहचान सतबीर निवासी गांव उगालन के रूप में हुई। तलाशी के दौरान प्लॉट के अंदर गेट के पास अफीम के पौधे लगे हुए मिले। पुलिस टीम ने मौके से जड़ सहित 98 अफीम के पौधे बरामद किए। पुलिस ने उक्त अफीम के पौधों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की।